

अपने बेटे को लांच करने के लिए तैयार हैं नीतीश

■ चुनाव से पहले सब कुछ तय कर लेना चाहते हैं सुशासन बाबू

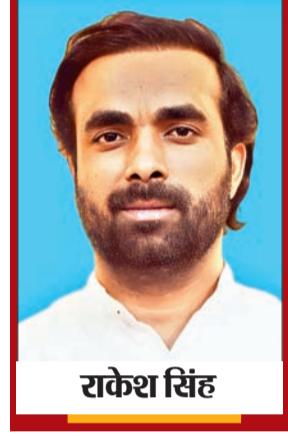
■ बिहार की राजनीति में नये अध्याय की हो सकती है शुरुआत

बिहार की राजनीति का पहिया इन दिनों बड़ी तेजी से धूम रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भागलपुर दौरा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए उनका 'लाडला' संबोधन, फिर जेपी नड्डा का बंद करने में नीतीश से बातचीत और बाद में कैबिनेट विस्तार में भाजपा के सात विधायकों को जगह दिये जाने के बाद यह चर्चा आम हो चली है कि नीतीश कुमार विधानसभा चुनाव से पहले सब कुछ सेट कर लेना चाहते हैं। 2020 के चुनाव में उन्होंने कहा था कि यह उनका अंतिम चुनाव है। अब इस साल के अंत में विधानसभा का चुनाव होना है, जिसमें नीतीश कुमार की भूमिका को लेकर अभी से कथाओं का दीर शुरू हो गया है। इन चर्चाओं को उस समय बल मिला, जब नीतीश कुमार के पुत्र निशांत भी सियासी बयानबाजी करने लगे। भाजपा से गठबंधन से लेकर बिहार में

में विधानसभा का चुनाव होना है, जिसमें नीतीश कुमार को नीतीश कुमार के लेकर अभी से कथाओं का दीर शुरू हो गया है। इन चर्चाओं को उस समय बल मिला, जब नीतीश कुमार के पुत्र निशांत भी सियासी बयानबाजी करने लगे। भाजपा से गठबंधन से लेकर बिहार में

कि सुशासन बाबू ने अपने पुत्र के लिए सियासी जीमीन तैयार कर ली है और अब उन्हें लांच करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

चर्चा तो यहां तक हो रही है कि नीतीश कुमार आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रचार अभियान की कमाल भी अपने पुत्र के हाथों में दोंगे, ताकि वे तेजीशी के युवा चेहरे का जवाब बन सकें। यदि नीतीश कुमार अपने पुत्र को राजनीति में उत्तरात है, तो यह बिहार की राजनीति का नया अध्याय होगा। क्या है नीतीश कुमार की पूरी योजना और निशांत कुमार की सियासत में लांचिंग का व्या हो सकता है असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता सफेद सिंह।



राकेश सिंह

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार लगातार अपने बयानों से यह सकेत दे रहे हैं कि वे बिहार की सक्रिय राजनीति में उत्तराते को तैयार हैं। निशांत के बयानों पर नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार की तस्वीरें लगातार सामने आ रही हैं।

दूसरी तरफ, जिन निशांत कुमार की राजनीति में यह बताया जाता था कि वह बहुत सादी से देखते हैं, यही निशांत कुमार की चुप्पी भी बही सकित दे रही है कि विहार के मुख्यमंत्री अपनी राजनीति में उत्तराते को तैयार हैं।

नीतीश कुमार की चुप्पी और नीतीश कुमार की चुप्पी और नीतीश कुमार के बयानों को अपने बेटे के हाथ में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं।

नीतीश कुमार की चुप्पी और नीतीश कुमार के बयानों को कई दोषों से देखते हैं, यही निशांत कुमार की चुप्पी और नीतीश कुमार के बयानों को अपने बेटे के हाथ में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं।



वह मीडिया को गंभीर राजनीतिक मामलों पर बयान देकर हंगामा भी खड़ा कर रहे हैं। एक पल के लिए यह माना जा सकता है कि अपने पिता को फिर से बिहार का

मुख्यमंत्री बनाने के लिए वह बिहार के मतवातों से अपील कर रहे हैं लेकिन एनडीए के लिए गठबंधन को लेकर भी उनका बोलना यह दर्शाता है कि नीतीश

कुमार उत्तराते राजनीति में उत्तराने का कैफैसला कर चुके हैं, निशांत कुमार भी इसके लिए अपने अपको तैयार कर रहे हैं और अब लांचिंग के लिए सही पैकेक का इंतजार किया जा रहा है।

जो बात नीतीश कुमार स्वयं अपनी जुबान से नहीं बोल पारे थे, उन्होंने वह बात अपने पुत्र निशांत कुमार की जुबान से

बुलवाकर एक बड़ा राजनीतिक दाव खेल दिया है। निशांत कुमार ने एनडीए गठबंधन के समर्थन के बाद दल भाजपा के नसीहत देते हुए कहा कि एनडीए भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे। जद्यू के तापा नेता और कार्यकर्ता सभी मिलकर सीएम फेस घोषित करें, ताकि उनके नेतृत्व में विकास कार्य जारी रहे। एक तरफ निशांत कुमार ने भाजपा को एनडीए गठबंधन का नेता घोषित कर विधानसभा चुनाव में अपने आक्रोशी नाम देना और नीतीश कुमार की पार्टी को 43 सीटों पर लाए दिया था। इस बार कुछ उत्तरात की भूमिका निशांत की तैयारी राजनीतिक फिल्म के नाम है।

निशांत कुमार के शब्दों पर गौर जानते हैं कि एनडीए अंदर अंदर शब्दों से साथ सधे हुए अंदर अंदर शब्दों में बयान दे रहे हैं, उससे यह साफ-साफ चिराग पासवान और प्रशांत किशोर जैसे नेताओं पर भी बड़ी बात कह गये।

निशांत कुमार के शब्दों पर गौर जानते हैं कि किंतु एनडीए ने विकास का चुनाव लड़ने की नसीहत दी, तो हाँ दूसरी तरफ इशारें-इशारें में वह विचारणा पासवान और प्रशांत किशोर जैसे नेताओं पर भी बड़ी बात कह गयी। इसका सीधा मतलब यही निकलता है कि, किंतु एनडीए पैमाने पर तैयारी की जीवंतीया। उन्होंने कहा कि वे मीडिया के माध्यम से राज्य के तमाम युवाओं से आहान करते हैं कि इसका बाबू ने निशांत कुमार को एनडीए और महात्मा कुमार की जीवंती के लिए घोषित करे। मिल्ही बार लेगी ने उन्हें 43 सीटें दे दी, फिर भी उन्होंने विकास का क्रम रुकने नहीं दिया। इस बार सीट बढ़ना मांगता है, ताकि पिताजी की जुबान से आगे जानता के सामने समाजवादी विचारधारा के आंदोलन से निकले एक और दिमाग नेता के पुत्र अपने पिता के नाम पर बोट देने की योग्यता है। यह सब करते हैं।

राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाला मामला पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर हाइकोर्ट ने लगाया 4000 रुपये का जुर्माना



समय मांगे जाने पर तीसरी बार लगाया जुर्माना है। बैद्यतावाद की बिजली कंपनी के डायरेक्टर दीके श्रीवास्तव से गुंबद में 11.40 करोड़ रुपये धूस लेने का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण कोड़ाले में आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की ओर से निचली आदालत द्वारा आरोप गठित किये जाने को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट ने तीसरी बार पिर से मधु कोड़ा की ओर से समय मांगे जाने पर 4000 रुपये का जुर्माना लगाया। मामले की अगली सुनवाई 6

जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण करने का टेंडर दे दिया। इस मामले की जांच सीधीआइ कर रही है। इसमें मधु कोड़ा द्वारा साल तक जेल में रहे थे। उन्हें 30 जुलाई 2013 को जमानत मिली थी।

बत्त दें कि आरोप है कि तकालीन मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने हैदराबाद की बैकैप लिस्टरेंड कंपनी आइवीआरसीएल को बांधा कर दिया था। वर्ष 2006 में राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना के लिए झारखंड को क्रेडि से 467.76 करोड़ रुपये मिले थे। इस परियोजना के तहत झारखंड के छूंजिलों के 27359 गांवों का विद्युतीकरण किया जाना था। इसमें 29.26 लाख परियोजनों को सीधे तौर पर लाभ मिलता।

5 दिवसीय दैरे पर फिर झारखंड आ रहे हैं कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के राज्



रांची (आजाद सिपाही)। कांग्रेस के नये प्रदेश प्रभारी के राज् 5 दिवसीय झारखंड दैरे पर फिर आ रहे हैं। को राज् 6 मार्च को रांची पहुंचेंगे। इसके बाद वे रांची पलामू के लिए रवाना होंगे।

कार्यक्रम के बाद वे बोकारो के लिए रवाना होंगे। वही नींवार्ड को गोजू, पाकुड़, साहिबगंज के अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। बैठक के बाद वे 10 मार्च को देवर के लिए रवाना होंगे और वहां से दोपहर डेढ़ बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जायेंगे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मुर्मू बने उपाध्यक्ष पद पर रोहित, संजीव कुमार महामंत्री चुने गये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस एसोसिएशन का चुनाव संपन्न हो गया। 28 फरवरी को छुपे हुए इस चुनाव में 1056 मतदाताओं में से 996 ने अपने मत का प्रयोग किया। चुनाव परिणामों के अनुसार, अध्यक्ष पद पर राहुल मुर्मू, उपाध्यक्ष पद पर रोहित राज्य, और महामंत्री अलम, महामंत्री पद पर संजीव कुमार, संयुक्त चिकित्सा पद पर रामेश चुनाव ने जीत हासिल की। नेता पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह एक मार्च को आयोजित किया गया है। वह चुनाव वो साल की देरी से हुआ था। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नेता पदाधिकारियों के चुनाव को लेकर पुलिस मुख्यालय से कई बार रिमाइंडर भेजे गये थे। एसोसिएशन, को बताया कि पलामू में समाजान के लिए अधिकारियों का काम करता है।

पु

